P: ISSN NO.: 2394-0344
E: ISSN NO.: 2455-0817
Remarking An Analisation
Title Code:UPBIL04788
Vol-I * Issue- IV* July - 2016

''राहुल नगर'' गंदी बस्ती के युवाओं में मादक पदार्थों के सेवन की स्थिति

दीपक मालवीय
शोध छात्र,
समाज शास्त्र विभाग,
बरकत उल्ला विश्वविद्यालय,
भोपाल

शैलजा दुबे
प्राध्यापक,
समाजशास्त्र विभाग,
समाज कार्य उच्च शिक्षा
उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल

सारांश

भोपाल जिले की राहुल नगर गंन्दी बस्ती म.प. एवं भोपाल का क्रमशः 0.000008% 0.0009% भाग है, जो जनसंख्यात्मक रूप से 0.007% तथा 0.23% प्रदशित करता है। मादक पदार्थों के सेवन अनुसार 63% लोग शराब का तथा 1% लोग कोकीन का सेवन करते है। जबकि आयु वर्ग में सर्वाधिक 15–25 वर्ष की आयु के लोग मादक पदार्थों का सेवनकरते है। शोध पत्र में यह स्पष्ट किया गया है।

मुख्य शब्द : गंदी बस्ती, मादक पदार्थ, शराब, आदि।

प्रस्तावना

सामान्य तौर पर बेतरतीब ढंग से बने हुये मकानों के झुण्ड जिनमें पीने के लिये पानी, बिजली की सुविधा नहीं है, गंदे पानी के निवास की समुचित व्यवस्था नहीं है, शौचालयों की व्यवस्था नहीं है, चारों और गंदगी फैली हुई है, ऐसे स्थानों को ही गंदी बस्ती के नाम से जाना जाता है। **संयुक्त राष्ट्र संघ** के अनुसार 'गंदी बस्ती मकानों का एक समूह या क्षेत्र है, जिसकी विशेषता भीड़–भाड़ पतनोन्मुख अस्वास्थ्यकर दशा तथा सुविधाओं का अभाव है, इन दशाओं अथवा इनमें से किसी एक के कारण इनके निवासियों अथवा समुदाय के स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं नैतिकता को खतरा उत्पन्न हो जाता है। औद्योगीकरण एवं नगरीकरण की तीव्र गति ने गंदी बस्तियों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। गावों से रोजगार की तलाश में औद्योगिक केन्द्रों पर आने वाले व्यक्तियों को कम किराये पर जब मकान उपलब्ध नहीं होते तो वे अस्वच्छ मकानों में रहने को बाध्य हो जाते है। सामान्यतः श्रमिक उद्योग के आसपास ही अनाधिकृत रूप से अपने आवासों का निर्माण कर लेते है जो गंदी बस्ती में परिवर्तित हो जाता है। गंदी बस्तियों की दोषपूर्ण आवास व्यवस्था व्यक्ति में अनेक प्रकार की बुरी आदत पैदा कर उसके व्यक्ति को विघटित करती है। लोग शराब, मादक पदार्थो के प्रयोग, जुआ खेलने, वैश्यागामी ओर वैश्यावृत्ति एवं अनेक अपराधों के आदी हो जाते है जिससे अवैध द्रव्य का सेवन तथा वैध द्रव्य का अनुचित प्रयोग (misuse) के कारण शारीरिक व मानसिक हानि होती है, इन पदार्थों में गांजा व हशीश का धूमपान, हेरोइन, कोकीन व एल.एस.डी. का सेवन, मारफीन का इंजेक्शन लेना, शराब पीना, आदि सम्मिलित है, कभी–कभो इसे 'बुलन्द द्रुतगति पर होना (high on speed) 'अमोद यात्रा' (trip) व 'आनन्दोत्कम्प (getting kicks) भी कहा जाता है

जो द्रव्य निर्भरता द्रव्य का आदी व नित्य सेवन करना सूचित करता है, 'निर्भरता' शारीरिक भी हो सकती है और मानसिक भी। शारीरिक निर्भरता द्रव्य के बार–बार के सेवन से पैदा होती है जब द्रव्य की उपस्थिति के कारण शरीर अपने को समायोजित करता है, परन्तु इस (द्रव्य) के बन्द कर देने से व्यक्ति दर्द, पीड़ा, उलझन, व्यथा व बीमारी का सामना करता है। मनुष्य शोक में सभी मादक द्रव्य जैसेः– शराब, तम्बाकू, सिगरेट, बीड़ी, जर्दा, हेरोइन, गांजा, चरस, कोकीन, ब्राउन शुगर, आदि खाना या पीना आरम्भ करता है, फिर उसका दास बनकर रह जाता है। धुमपान के बाद वह उद्दीपन का अहसास करता है, उसे लगता है कि काम करने के लिए उसमें नई स्पूर्ति आ गई है। अधिकतर लाग एक–दूसरो को देखकर ही इन नशे को अपनाते है और फिर उनके आदि हो जाते है। **क्लाइन बेल (1956 % 17)** के अनुसार वह व्यक्ति है जिसके शराब पीने से उसके जीवन के महत्वपूर्ण पुनः समंजनों (read justments) और अन्तरवैयक्तिक सम्बन्धों में प्रायः या निरन्तर बाधा उत्पन्न होती है।

अध्ययन क्षेत्र का सामान्य परिचय (राहुल नगर)

भोपाल जिले के अन्तर्गत लगभग 366 गंदी बस्तिया उल्लेखित है। जिसमें चयनित बस्ती ''राहुल नगर''भी सम्मिलित है। राहुल नगर गंदी बस्ती का कुल भौगोलिक क्षेत्र 0.027519^{km2} है। जो भोपाल जिले का 0.0009 % भू–भाग

P: ISSN NO.: 2394-0344
E: ISSN NO.: 2455-0817
Remarking An Analisation
Title Code:UPBIL04788
Vol-I * Issue- IV* July - 2016

है। राहुल नगर की कुल जनसंख्या 5672 राहुल नगर में कुल परिवार पाये गये 984 इनमें से हमने 100 व्यक्तिया का चयन अध्ययन हेतु किया।

शोध प्रविधि

प्रस्तुत शोध पत्र में 100 व्यक्तियों का चयन निदर्शन विधि द्वारा किया गया है तथा अध्ययन हेतु साक्षात्कार अनुसूची एवं अवलोकन विधि का प्रयोग किया गया है। अध्ययन क्षेत्र भोपाल जिले की एक गंदी बस्ती 'राहुल नगर' है। तालिका क्रमांक–1, में राहुल नगर बस्ती की भौगोलिक जानकारी अंकित है।

तालिका क्रमांक–1,

राहुल नगर की कुल जनसंख्या	राहुल नगर का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल	राहुल नगर में कुल परिवारों की संख्या	कुल परिवारों में चयनित परिवारों की संख्या	कुल चयनित परिवारों का प्रतिशत	चयनित परिवारों में उत्तरदाताओं की संख्यां	चयनित व्यक्तियों का प्रतिशत	औसत प्रति परिवार
1	2	3	4	5	6	7	8
5672	0.027519^{km2}	984	17	1.72 %	100	10.16	5.76

अध्ययन के उद्देश्य

1. वर्तमान युवा वर्ग में मादक पदार्थो के प्रयोग कि प्रवृत्ति का अध्ययन।
2. युवा वर्ग में मादक पदार्थो का प्रभाव का अध्ययन।

शोध कार्य में मादक पदार्थ के प्रकार एवं अनेक प्रयोग के बारे में अध्ययन किया गया है जो कि तालिका क्रमांक–2, में स्पष्ट है।

संक्रं.	मादक पदार्थों के प्रकार	आयु समूह अनुसार मादक पदार्थों की स्थिति				कुल संख्या	प्रतिशत	औसत
		10–15	15 – 20	20–25	25+			
1.	शराब / बीड़ी सिगरेट	3/14	$5/17^{+}$	$^{+}8/9$	2/5	18/45=63	63%	2%5
2.	तम्बाक / शराब	2/1	2/1	$2/3^{+}$	1/1	7/6=13	13%	7@6
3.	गांजा / शराब	0/1	$1/2^{+}$	$2^{+}/1$	1/1	4/5=9	9%	4@5
4.	अफीम / चरस	0/0	0/0	$^{+}1/0$	$0/2^{+}$	1/2=3	3%	1@2
5.	हेरोइन / कोकीन / ब्राउन सुगर	0	0	0	1	1	1%	0
6.	समस्त प्रकार के मादक पदार्था का सेवन	0	0	2^{+}	2^{+}	4	4%	0
7.	प्रयोग न करने वाले व्यक्ति	3^{+}	1	1	2	7	7%	0
	कुल योग	24	29	29	18	100	100%	

राहुल नगर के 100 उत्तरदाताओं ने सर्वेक्षण के दौरान तालिका अनुसार तथ्य ज्ञात हुये कि सर्वाधिक रूप से शराब एव बीड़ी सिगरेट जैसे मादक पदार्थों का अत्याधिक सेवन अर्थात 63% पाया गया दूसरे क्रम पर शराब एवं तम्बाकू का 13% पाया गया गांजा एवं शराब के दृष्टिकोण से 9% उत्तर प्राप्त हुये जबकि हेरोइन, कोकीन, ब्राउन शुगर जैसे महंगे मादक पदार्थों को क्रय करने में सक्षम न होने के कारण मात्र 01 व्यक्ति का सेवन करता हुआ पाया गया ऐसे भी व्यक्ति पाये गये जो समस्त प्रकार के मादक पदार्थों का सेवन करते है इनकी संख्या मात्र 04% पाई गई ये बड़े हर्ष का विषय है कि इन गंदी बस्तियों में सर्वेक्षित व्यक्तियों में 7 व्यक्ति ऐसे पाये गये जो कि किसी भी प्रकार के मादक पदार्थों का सेवन नही करते।

अत्यधिक रूप से शराब पीने का मुख्य कारण श्रम, शुलभता एवं तनाव रहित जीवन की कल्पना एवं साधारण मूल्य पर प्राप्त होना पाया गया। जबकि चरस, अफीम, ब्राउन शुगर, कोकीन, हेरोइन जैसे मादक पदार्थों को अत्यधिक महंगे होने के कारण आसानी से प्राप्त न होने के कारण अल्प मात्रा में इनका प्रयोग पाया गया।

आयु वर्ग अनुसार ज्ञात होता है कि, शराब का सेवन सर्वाधिक रूप से 15 से 20 वर्ष की आयु के युवा करते हैं जबकि बीड़ी सिगरेट, एवं शराब सहित 20 से 25 वर्ष की आयु के लोग पाये गये हैं जिन्हे (+) संकेत द्वारा प्रदशित किया गया है तम्बाकू एवं शराब जैसे मादक पदार्थों में 20 से 25 वर्ष के युवाओं की संख्या अधिक है तथा गांजा एवं शराब का सेवन 15 से 20 वर्ष 20 से 25 आयु वर्ग के लोग अत्याधिक रूप से करते है अफीम एवं चरस, हेरोइन, कोकीन जैसे मादक पदार्थों का सेवन 25 आयु के लोग अत्याधिक करते पाये गये है। इन अत्याधिक लोगों को संकेत द्वारा प्रदर्शित किया गया है।

अध्ययन उपरांत आय, वर्ग में होने वाले प्रभाव

आयु वर्ग में उत्तरदाताओं द्वारा बताया गया की मादक पदार्थों का सेवन करने से सर्वाधिक रूप से 63% अपराध में संलग्न हो जाते हैं। तालिका क्रमांक–3, में इसे धनात्मक (+) रूप में दर्शाया गया है :–

P: ISSN NO.: 2394-0344
E: ISSN NO.: 2455-0817
Remarking An Analisation
Title Code:UPBIL04788
Vol-I * Issue- IV* July - 2016

तालिका क्रमांक–3

क्रं.	प्रभाव	कुल उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
1.	षिक्षा अवरोध	13	13%
2.	अस्वस्थता	24	24%
3.	अपराध	41	41%
4.	मनसिक विकार	19	19%
5.	अन्य प्रभाव	3.	3%
	कुल योग	100 व्यक्ति	100%

सर्वेक्षित स्थल पर मादक पदार्थों के प्रभाव अनुसार उत्तरदाताओं ने बताया की अपराध का प्रतिशत सर्वाधिक पाया गया है। जबकि विवेक शून्य के कारण यहां अपराध कर बैठते है उत्तरदाताओं में 41% लोगों ने इस बात का सर्मथन किया 24% लोग अस्वस्थता पाये गये क्योंकि पोस्टिक खाद्य सामग्री के सेवन हेतु वे सक्षम नही होते 19% उत्तरदाता मानसिक विकार से विकृत पाए गए। जबकि शिक्षा स्तर 13% तक अवरूद्ध हुआ अन्य कारण में 3% लोग मादक पदार्थों के सेवन उपरान्त प्रभावित हुये।

परिणाम/निष्कर्ष

शोध–पत्र में अध्ययन के उपरान्त यहां पाया गया की सर्वेक्षित स्थल की जनसंख्या 5,672 है। जिसमें उत्तरदाता व्यक्तियों का 10% भाग है जिनका परिवारिक सदस्य अनुपात 5.76 ज्ञात हुआ इसमें सर्वाधिक रूप से 63% लोग शराब का सेवन करते है जबकि कोकीन जैसे महगें मादक पदार्थ का सेवन न्यूनतम रूप 1% पाया गया है।

सुझाव

इस शोध निम्नलिखित सुझाव सम्मिलित कर सकते है।

1. चलचित्र एंव प्रदर्शनी के माध्यम से मादक प्रदार्था की नकारात्मक स्थिति को प्रदर्शित करना।
2. गंदी बस्तियों के आस पास मादक पदार्थो के क्रय विक्रय पर प्रतिबंध लगाके
3. शिक्षा के लिये युवाओ को प्रोत्साहित करते रहना।
4. युवाओं को समय समय पर आवश्यक सहयोग कर मादक पदार्थो के सेवन में कमी लायी जा सकती है।
5. सरकार व सामाजिक संगठनों, व्यक्तियों द्वारा युवाओं को रोजगार में सहयोग देकर भी मादक पदार्थो का सेवन कम किया जा सकता है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. आहूजा राम (2007), सामाजिक समस्याएँ रावत पब्लिकेशन्स, जयपुर।
2. आनन्द प्रकाश सिंह,(2008),नगरोय समाज शास्त्र, यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली 02.
3. डॉ. नीलम यादव, AT all (2010), मलिन बस्ती वासियों की सामाजिक, आर्थिक दशायें, यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली 2.
4. ए.आर.एन. श्रीवास्तव (2002), भारतीय सामाजिक समस्याएँ, के.के. पब्लिकेशन्स इलाहाबाद।
5. मुखर्जी रवीन्द्रनाथ, (2005), सामाजिक शोध एवं सांख्यिकी, विवेक प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. सिन्हा सचिन (2011), मध्य प्रदेश की जनगणना, जनगणना निदेशालय, मध्य प्रदेश, भोपाल।